हृदय और धड़कन

वर्ष-2, अंक-21, सितम्बर 20, 2011

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

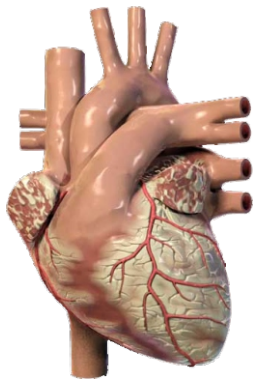

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अनिश चंदाराणा
(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता
(M) +91-99250 45780
डॉ. जोयल शाह
(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी
(M) +91-98251 43975
डॉ. गुणवंत पटेल
(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख
(M) +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह
(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी
(M) +91-98250 30111

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह
(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक
(M) +91-90991 11133
डॉ. दीपेश शाह
(M) +91-90990 27945

पिडियाट्रिक और एडल्ट कार्डियक सर्जन

डॉ. शौनक शाह
(M) +91-98250 44502

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार
(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया
(M) +91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ
(M) +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया
(M) +91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666

हृदयरोग के निदान के लिए किए जाने वाले परीक्षण

हृदयरोग के निदान के लिए कई तरह की जांच की जाती है।

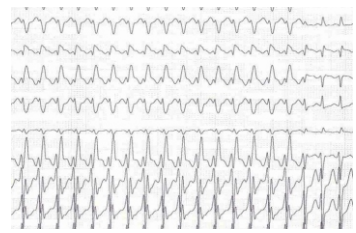

हृदयरोग के निदान के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण :

- छाती का एक्स - रे
- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम
- एक्सरसाईज स्ट्रेस टेस्ट (ट्रेडमिल टेस्ट)
- ईकोकार्डियोग्राम
  - ट्रान्स-थॉरेसिक इको (टी.टी.ई.)
  - डॉब्युटेमाइन स्ट्रेस इको (डी.एस.ई.)
  - ट्रान्स- इसोफॉजियल इको (टी.ई.ई.)
  - रंगीन डॉप्लर (कलर डॉप्लर)
- होल्टर मॉनिटर
- रेडियोआईसोटोप स्ट्रेस टेस्ट (थेलियम टेस्ट)
- कार्डियक केथोटराइजेशन या कोरोनरी एन्जियोग्राफी
- कोम्प्यूटराइज्ड टोमोग्राफिक एन्जियोग्राफी स्केन (सी.टी. एन्जियो)

छाती का एक्स-रे

छाती का एक्स - रे हृदय की स्थिति व आकार के निर्धारण करने में उपयोगी है। एक्स रे की किरणों के द्वारा हृदय तथा फेंफड़ो के छाया चित्र देखकर निदान किया जाता है।

आपकी छाती का एक्स रे निम्न वस्तुएं दिखाता है :

- हृदय का आकार
- आपके फेंफड़ों में भरा द्रव्य
- हृदय का फेल होना या उसके आस-पास द्रव्य के भराव के चिन्ह

एक्स-रे : हृदय की जांच में अभी भी उपयोगी

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई.सी.जी.)

हृदय स्वयं के अंदर बिजली की तरंगे उत्पन्न करता है। इन तरंगो के कारण हृदय धड़कता है। बिजली संलग्न इस क्रिया को इ.सी.जी. (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम) के द्वारा नापा जा सकता है।

इ.सी.जी. (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम या इ.के.जी.) हृदय की विद्युत प्रक्रिया का रेकोर्डिंग है, हृदय की हर धड़कन विद्युत स्पंदन से शुरु होती है जिससे हृदय संकुचित होता है। इस विद्युत प्रवाह को कागज पर रेखांकित किया जाता है जिसे इ.सी.जी. कहते हैं।

इ.सी.जी. हमारे हृदय में हार्ट अटेक से हुआ नुकसान और उसके पहले की घटनाएं (जैसे कि हृदयरोग का हमला) हृदय की धड़कनें और हृदय की गति की अनियमितता के मूल्यांकन में मदद करता है। हृदयरोग के हमले के कुछ घंटे पूर्व के इ.सी.जी. में हुए परिवर्तन इतने महत्त्वपूर्ण होते हैं कि उनको समझने के लिए हृदयरोग के हमले वाले रोगी के रोगी के इ.सी.जी को सतत निगरानी में रखा जाता है।

इसीजी मशीन :
एक सस्ती व महत्वपूर्ण जांच

इ.सी.जी. की रिपोर्ट और रक्त की जांच में स्थिरता को देखकर ही डॉक्टर रोगी अब खतरे के बाहर हैं, और उसको इन्टेन्सिव केयर युनिट के बाहर लाया जा सकता है, यह निश्चित करते हैं।

एक्सरसाईज स्ट्रेस टेस्ट (ट्रेडमिल टेस्ट)

इसे टी.एम.टी. भी कहा जाता है। टी.एम.टी. का यंत्र मतलब कॉम्प्यूटर के साथ जुड़ा हुआ अत्याधुनिक इ.सी.जी. मशीन और इसके साथ में गोल घूमता हुआ चलने का पट्टा।

कई लोगों के हृदयरोग से पीड़ित होते हुए भी उनकी इ.सी.जी. रिपोर्ट अच्छी आती है, और उनमें हृदयरोग का सही अंदाजा नहीं हो पाता है।

ऐसे केसो में उनको घूमती हुई पट्टी पर चलाकर या दौड़ा कर कसरत करवाने के बाद उनका इ.सी.जी. लिया जाता है। कसरत के बाद सिंकुरी हुई धमनियो में रक्त कम पहुंचता है तो इ.सी.जी. में वह दिखता है और रोग का निदान सरलता से किया जा सकता है।

जांच करने के पहले रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम भी रिकोर्ड किये जाते हैं।

जांच की प्रारंभिक अवस्था में चलनेवाला पट्टा धीरे घूमता है, और धीमे चलता है। धीरे - धीरे पट्टे के घूमने की रफ्तार बढ़ती है, और ढाल ऊंचा होता जाता है। आपको ज्यादा तेज और उपर उठते हुए ढाल पर चलना पड़ता है जिससे हृदय के ऊपर पड़ने वाले जोर की मात्रा भी बढ़ती जाती है। इसके साथ - साथ इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम व रक्तचाप का रिकोर्डिंग होता रहता है।

ट्रेडमील टेस्ट

चलते - चलते ज्यों - ज्यों आपकी तेजी बढ़ती है त्यों - त्यों दिल कि धड़कने की गति भी बढ़ती जाती है,और रक्त का दबाव भी बढ़ता जाता है। अगर आपको एन्जायना है, तो इस तरह तेजी से घूमते हुए व ऊंची ढाल वाले पट्टे के उपर चलने की कसरत करते समय लिए हुए इ.सी.जी. में एन्जायना के लक्षण नजर आ जाते हैं।

ट्रेडमिल पर चलते हुए अगर छाती में दर्द या घबराहट होने लगती है तो, जांच तुरंत रोक दी जाती है। हर ट्रेडमिल टेस्ट के समय विशेषज्ञ डॉक्टर तथा इलाज के उपकरण पास मे होने अत्यंत आवश्यक हैं जिससे एन्जायना का इलाज तुरंत शुरु किया जा सके।

टी.एम.टी. हृदय की स्थिति जानने वाली एक सुरक्षित व साधारण सी जांच है, और इसकी विशेषता यह है कि इसमे साधारण इ.सी.जी. में नहीं दिखने वाले हृदयरोग भी पकड़ में आ जाते हैं।

अगर किसी कारणवश रोगी चल नहीं सके तो ट्रेडमिल टेस्ट नहीं किया जा सकता है, जैसे कि मोटापा, घुटने में दर्द, सांस की बिमारी, खूब ज्यादा रक्तचाप, हृदय के वाल्व की बिमारी इत्यादि रोगों से

एक प्रौढ़ आयु का युगल डॉक्टर को अस्पताल में मिलने आया, 'हमे तुरंत एन्जियोग्राफी करवानी है आप सुन्न करने का इन्जेकशन नही देंगे तो चलेगा, क्योंकि हमे बहुत जल्दी है।' पत्नी ने कहा।

डॉक्टर उनकी बहादुरी से प्रभावित हुआ। सादा इन्जेक्शन लेते हुए लोग घबराते हैं जबकी यह महिला एन्जियोग्राफी के लिए तैयार थीं। 'आप बहुत हिम्मत वाली हैं ! जाईये उस टेबल पर सो जांए।'

उस महिला ने अपने पति से कहा 'सुनते हो? जल्दी जाओ और उस टेबल पर सो जाओ।'

पीड़ित रोगी टी.एम.टी. सहन नहीं कर सकते हैं। ऐसे मरीजों के लिए डोब्यूटामाइन स्ट्रेस इको या थेलियम टेस्ट किए जातें हैं। ४० वर्ष की उम्र के बाद हर २ साल में नियमित जांच के रूप में टी.एम.टी. करवाना चाहिए।

'डॉक्टर साहब, इमर्जेनसी है। मेरा लड़का पेन्सिल खा गया है।'

'चिंता मत कीजिए मैं २० मिनट में आपके यहां पहुंचता हूं।'

'पर डॉक्टर तब तक मैं क्या करूं?'

'अरे भाई तब तक बॉलपेन का उपयोग कर लो।'

इवेन्ट मोनिटर व होल्टर मोनिटर

इवेन्ट मोनिटरिंग का उपयोग हृदय की अनियमित धडकनो को नापने के लिए होता है। होल्टर मोनिटर्स हृदय की विद्युत प्रक्रिया को २४ से ४८ घंटे तक की रिकोर्डिंग कैसेट के ऊपर करता है।

होल्टर मोनिटर का उपयोग पिछले ३० वर्षों से हो रहा है। यह दो उपकरण मुख्यरूप से दो कारणों से काम में लिए जाते हैं :

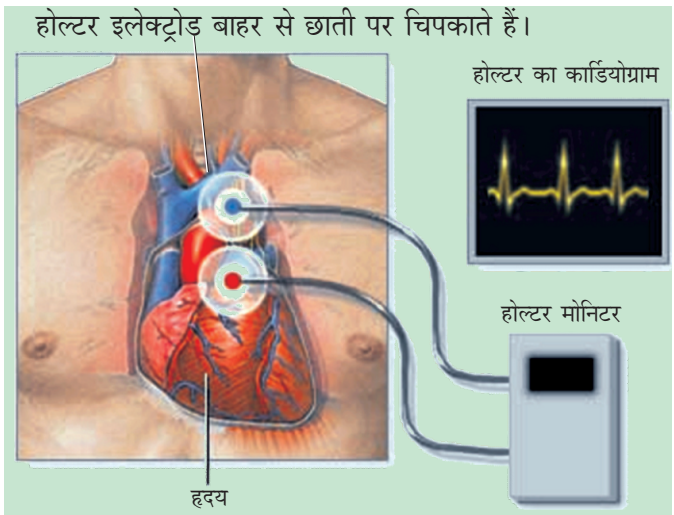

होल्टर मोनिटर : २४ घंटे इ.सी.जी. लेने की पद्धति

- हृदय की धड़कनों को देखकर उन्हें रिकोर्ड करने के लिए।
- हृदय की धमनियों के द्वारा हृदय के स्नायुओं को अगर नियमित मात्रा में रक्त नहीं मिल रहा हो तो यह जानने के लिए।
- २४ घंटे कि जांच में मिली सभी सूचनाओं को कम्प्यूटर पर रिकोर्ड करने के लिए।

इकोकार्डियोग्राम

किसी जीवित आदमी के धड़कते हुए हृदय को देखने की कल्पना कीजिए। इसके साथ ही हृदय के अंदर के वाल्व व दीवारों की कल्पना कीजिए। जिस प्रकार पवन अपने चेहरे को स्पर्श करती है या अपनी पीठ से टकराती है इसका अनुभव हम कर सकते हैं,उसी तरह रक्त का प्रभाव अपनी तरफ आ रहा है या दूर जा रहा है इसके अनुभव करने की कल्पना कीजिए।

यह सारे अनुभव किसी भी प्रकार की काट - कूट या शस्त्र क्रिया के बिना संभव हैं क्या?

हां! यह सब कुछ संभव है इकोकार्डियोग्राम नाम की एक विचित्र जांच प्रणाली की मदद से। इस अद्‌भुत जांच पद्धति में हम सुन ना सकें ऐसी आवाजें (अल्ट्रासाउंड), एक हेंडल (इकोकार्डियोग्राफी मशीन का एक साधन) के द्वारा छाती की सतह के संपर्क में रखा जाता है। जिस प्रकार किसी खादान या खंडहर में अपनी आवाज गूंजती है, उसी प्रकार ये आवाज की किरणें किसी वस्तु के साथ टकराती हैं और उसके अनुसार गूंजती है। इसलिए इसे इकोकार्डियोग्राम कहा जाता है और संक्षेप में इसे 'इको' कहा जाता है (इको मतलब गूंज)। आवाज के इस प्रतिबिंब को कम्प्यूटर के मोनिटर पर देखा जा सकता है, और कैसेट या सी.डी. पर रिकोर्ड भी किया जा सकता है। इकोकार्डियोग्राफी को 'हृदय की सोनोग्राफी भी कहा जाता है। अल्ट्रासाउंड से एक्स रे व इ.सी.जी. से हृदय के बारे में ज्यादा अच्छी व सच्ची जानकारी मिलती है।

ट्रान्स-थोरेसिक इको (टी.टी.इ.)

इस पद्धति में छाती के उपर जैली लगाकर उसके ऊपर इको प्रोब (हेन्डल जैसा साधन) घुमाकर हृदय, उसकी दिवारों की हलचल, वाल्व की हलचल आदि को देखतें हैं। इस जांच पद्धति में मुख्यरूप से हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर, हृदय की जन्मजात कमियां और हृदय की संपूर्ण जांच होती है।

ट्रान्स-इसोफेजियल इको (टी.इ.इ.)

ट्रान्स-इसोफेगल इको अन्ननली के माध्यम से हृदय तक पहुचाया जाता है और वहां से हृदय की जांच की जाती है।

शेष... पेज-6

अनुभव की व्याख्या : एक बार की हुई भूल दोबारा करें और उसका पता पड़े उसे अनुभव कहते हैं।

हृदय और धड़कन
वर्ष-2, अंक-21, सितम्बर 20, 2011

केयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
सीम्स स्वास्थ्य मेला
CIMS

सीम्स अस्पताल - अहमदाबाद का
स्वास्थ्य मेला जोधपुर में

सीम्स (केयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज)

दिनांक : अक्टुबर 9, 2011, रविवार, सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक
स्थान : महेश पब्लिक स्कूल, हाउसिंग कॉलोनी के सामने, जोधपुर ।

यह सेमिनारमें निम्नलिखित विषय पर सीम्स अस्पताल के निष्णांत डॉक्टर्स अपना लेक्चर देंगे एवं आपके प्रश्नो का उत्तर भी देंगे ।

- कार्डियोलॉजी (हृदय संबंधित बीमारीया)
- कार्डियाक सर्जरी
- पिडियाट्रीक कार्डियोलॉजी (बच्चो की हृदय संबंधीत बीमारीया)
- क्रिटीकल केयर
- जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट (जोडो को बदलने की सर्जरी)
- नियोनेटोलॉजी एवं बाल चिकत्सा
- ट्रोमा का ईलाज(आकस्मिक ज़ख्रम)
- ओन्कोलॉजी और ओन्को सर्जरी
- ओर्थोपेडिक्स
- पिडियाट्रिक सर्जरी (बच्चो की बीमारीयों की सर्जरी)
- न्युरो सर्जरी
- स्पाइन सर्जरी
- पैन मेनेजमेन्ट

विशेष आकर्षण :
- रोगों की रोकथाम एवं उपचार पर जानकारी हेतु विशेषज्ञ द्वारा स्लाइड-शो का आयोजन
- डायेट फुड स्टॉल, ब्लड शुगर / बीपी जांच करने के स्टॉल
- बच्चो के मनोरंजन के लिये गेम्स स्टॉल महेंदी स्टॉल, योगा सेशन

इसके अलावा और भी कई मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा ।

जरुर से आईए।

निम्नलिखित जांच हेल्थ सेमिनारमें निःशुल्क की जायेगी
(समय सुबह 9 से 1 बजे तक)

ब्लड प्रेशर | ब्लड सुगर (25 वर्ष से उपर की आयु के लिये) | कोलेस्ट्रोल (40 वर्ष से उपर की आयु के लिये) | बीएमआइ

हेल्थ सेमीनार में आने वाले आंगतुको को सीम्स अस्पताल में दिसम्बर 31, 2011 तक निम्नलिखित लाभ दिये जायेगें ।

सीम्स अस्पताल पर अनुभवी डॉक्टर्स का **निःशुल्क कन्सलटेशन** (जिनका नियमित चार्ज ₹ 500/- है)

सीम्स अस्पताल के पेथोलोजी, रेडियोलोजी सेवाएं और हेल्थ केयर पेकेज पर **25 % डिस्काउन्ट**

उपर्युक्त लाभ लेने के लिये डिस्काउन्ट कुपन स्वास्थ्य मेले से प्राप्त करें ।

इस सेमीनार में सीम्स अस्पताल के निम्नलिखित विषय के विशेषज्ञ डॉक्टर्स अपना वक्तव्य प्रस्तुत करेगें ।

कार्डियोलॉजिस्ट (हृदयरोग विशेषज्ञ)
- डॉ. अनिश चंदाराणा
- डॉ. अजय नाईक
- डॉ. सत्य गुप्ता
- डॉ. जोयल शाह
- डॉ. रवि सिंघवी
- डॉ. गुणवंत पटेल
- डॉ. केयूर परीख्र
- डॉ. मिलन चग
- डॉ. उर्मिल शाह
- डॉ. हेमांग बक्षी

कार्डीयोथोराकीक और वास्क्युलर सर्जन (हृदय सर्जरी विशेषज्ञ)
- डॉ. धीरेन शाह
- डॉ. धवल नायक
- डॉ. दीपेश शाह

पिडियाट्रिक और एडल्ट कार्डियक सर्जन
- डॉ. शौनक शाह

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट
- डॉ. निरेन भावसार
- डॉ. हिरेन धोलकिया

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट (बच्चो के हृदयरोग के विशेषज्ञ)
- डॉ. कश्यप शेठ

निओनेटोलोजीस्ट और पिडियाट्रिक इन्टेन्सीवीस्ट (नवजात शिशु के विशेषज्ञ)
- डॉ. अमित चितलीया

क्रीटीकल कॅयर टीम
- डॉ. विपुल ठक्कर
- डॉ. भाग्येश शाह

ट्रोमा सर्जन (आकस्मिक इजा के विशेषज्ञ)
- डॉ. संजय शाह

ऑर्थोपेडिक्स (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ)
- डॉ. हेमांग अंबानी
- डॉ. भावेश जेसलपुरा
- डॉ. चिराग पटेल
- डॉ. अमिर संघवी
- डॉ. अतीत शर्मा

ओन्को सर्जन (केन्सर की बीमारी के विशेषज्ञ)
- डॉ. अशोक पटेल
- डॉ. जे. डी. पटेल
- डॉ. महेश पटेल
- डॉ. चैतन्य श्रोफ
- डॉ. अंजना चौहाण

न्युरो सर्जन और स्पाइन सर्जन (दिमाग और रीढ़ की बीमारी के विशेषज्ञ)
- डॉ. परिमल त्रिपाठी
- डॉ. वाय. सी. शाह
- डॉ. मुकेश पटेल

स्पाइन सर्जन (रीढ़ के विशेषज्ञ)
- डॉ. हितेश मोदी

पेइन मेनेजमेन्ट (दर्द प्रबंधन के विशेषज्ञ)
- डॉ. हितेश पटेल

ज्यादा जानकारी के लिये सुबह 9.00 से 5.00 तक 09825108257, 09825376321 पर संपर्क किजिए

सौजन्यः CIMS Care Institute of Medical Sciences सीम्स अस्पताल - अहमदाबाद | राजस्थान पत्रिका newspaper with a soul

पेज-3 का शेष...

रंगीन डोप्लर (कलर डोप्लर)

कलर डोपलर के दिशा दर्शक रंग - लाल, पीला और नीला

यह एक प्रकार से इकोकार्डियोग्राफी का विस्तरण है। यह भौतिक शास्त्र आधारित जांच है और ये रक्त के प्रवाह की दिशा बताता है। इको मशीन के मोनीटर के उपर लाल, नीला और पीला ये तीन रंग रक्त के प्रवाह की दिशा बतलाते हैं।

हृदय के परदे में लीकेज, संकरे वॉल्व, छेद आदि का निदान करने में रंगीन (कलर)डॉप्लर बहुत उपयोगी साबित होता है। हृदय के खंडों की दिवालों में से रक्त प्रवाहित होता है तो यह भी डॉप्लर में दिखाई देता है।

हृदय के परदे में जन्मजात खराबी के कारण रक्त प्रवाहित होने की दिशा बदल जाती है और उससे बीमारी के विषय में जानकारी मिलती है

रेडियोआइसोटोप स्ट्रैस टेस्ट (थेलियम टेस्ट)

थेलियम स्केन, एक अत्याधुनिक जांच पद्धति

आपका रक्त ठीक तरह से हृदय के स्नायुओं तक पहुंचता है कि नहीं यह जानने के लिए यह टेस्ट किया जाता है। रेडियोआइस्टोप एक रेडियोएक्टिव तत्त्व है जैसे कि कार्डियोलाइट अथवा थेलियम। यह टेस्ट सामान्य रुप से एक्सरसाइज़ स्ट्रैस टेस्ट के साथ ट्रेडमिल तथा साइकिल पर किया जाता है। कई बार हृदय को कसरत के बदले दवाएं दी जाती हैं। जब मरीज अधिक से अधिक कसरत के लक्ष्य की तरफ पहुंचता है तह बहुत कम मात्रा में रेडियोआइसोटोप आपकी रक्तवाहिनी में डाला जाता है, तत्पश्चात आप केमरे के अंदर एक विशेष टेबल पर सो जाते हैं और केमरा रेडियोआइसोटोप को पहचान कर चित्र बनाता है। रेडियोआइसोटोप रक्त में से हृदय के स्नायुओं की ओर जाते है। अगर हृदय का स्नायुओं वाला भाग कसरत के समय सामान्य रक्त की मात्रा प्राप्त नहीं करें तो हृदय के उस भाग के कोष कम मात्रा में रेडियोआइसोटोप रखते हैं।

इसके साथ में जब रोगी का हृदय कसरत से थका हुआ नहीं होता है तब दूसरे चित्रों की श्रेणी का निर्माण किया जाता है। इन चित्रों को कसरत करने के बाद वाले चित्रो से तुलना करने पर आपके हृदय की परिस्थिति की उपयोगी जानकारी मिलती है।

हृदयरोग के निदान के लिए अन्य परिक्षण

इसके अलावा नीचे के परिक्षण भी हृदयरोग में किए जाते हैं। पर फिलहाल इनमें से कई परिक्षण कई अस्पतालो. में उपलब्ध नहीं हैं।

- डोब्युटामाइन स्ट्रेस इको
- मेग्नेटिक रेसोनन्स इमेजिंग (एम.आर.आई.)
- मेग्नेटिक रेसोनन्स एन्जियोग्राफी (एम.आर.ए.)
- मल्टीगेटेड एक्वीजिशन (एम.यू.जी.ए.स्केन)
- पोसिस्ट्रोन इमिशन टोमोग्राफी स्केन (पेट स्केन)
- सिग्नल एवरेज इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम

कोरोनरी एन्जियोग्राफी

घर प्रयोग की बिजली के प्रवाह को वोल्ट में नापा जाता है जबकी हृदय के अंदर घूमती हुई बिजली के प्रवाह को मिली वोल्ट में नापा जाता है। (१ वोल्ट = १००० मिली वोल्ट)

यह प्रक्रिया हृदय के अंदर और हृदय की वाहिनियों के चित्रांकन की है, ऐसे चित्र को एन्जियोग्राम (मजाक में एन्जोयग्राम) कहते हैं। यह जांच इतनी महत्त्वपूर्ण है कि इसकी जानकारी के लिए एक पूरा अलग प्रकरण चाहिए।

कोम्पयूटराइज्ड टोमोग्राफी स्केन (सी.टी.स्केन)

कार्डियक इलेक्ट्रोन बीम (किरण) कोम्प्यूटेड टोमोग्राफी को 'अल्ट्राफास्ट सीटी' भी कहा जाता है। यह कोम्प्यूटर द्वारा संचालित हृदय का एक्स-रे स्केन है। हृदय की धमनियों में कितना केल्शियम है यह भी ये बता सकता है। सामान्य रूप से हृदय की धमनियों में केल्शियम बिल्कुल नहीं होता। एथेरोस्कलेरोसिस की क्रिया से धमनियों में धीरे - धीरे 'प्लाक' नाम की पपड़ी जमती है और धमनियां संकरी होते-होते बंद हो जाती हैं। धमनियों में जितना केल्शियम अधिक उतनी हृदयरोग की सम्भावना अधिक। इस जांच के लिए रोगी को एक्स रे स्केनर में बिठाया जाता है और इसके बाद जल्दी से एक्स रे चित्र लिए जाते हैं। यह समस्त प्रक्रिया बहुत जल्दी से पूरी होती हा। नये ३२ से ६४ स्लाइस सी.टी. स्केन में एनजियोग्राफी भी की जा सकती है जो ९० से ९५ प्रतिशत सटीक होती है।

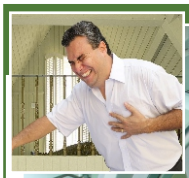

एन्जियोग्राफी सिर्फ 7 सेकन्डमें

विश्व के सबसे तेज एन्जियोग्राफी मशीन (फिलिप्स एक्सपर टेक्नोलोजी) सीम्स में उपलब्ध है । इस मशीन में सिर्फ 7 सेकन्डमें एन्जियोग्राफी के फोटो निकलते है ।

- 25 साल से ज्यादा अनुभवी सीम्स कार्डियाक टीम
- 15000 एन्जियोप्लास्टी और 50000 एन्जियोग्राफी का अनुभव
- 24 x 7 कार्डियाक सेवाएं, इमरजन्सी के लिये तत्पर

CIMS® Care Institute of Medical Sciences

एन्जियोप्लास्टी के अच्छे परिणाम के लिये स्टेन्ट बुस्ट टेक्नोलोजी

अगर आपको इनमे से कोइ एक लक्षण है तो आपको कार्डियाक चेक-अप की आवश्यकता है ।

- अगर आपके परिवारमें किसी को हृदयरोग हो
- अगर आप स्थूलकाय जीवन जीते हो - शारीरिक श्रम या कसरत न कर सकते हो
- अगर आपका वजन ज्यादा हो
- अगर आप तनावग्रस्त जिंदगी जी रहे हो
- अगर आप धुम्रपान करते हो या तम्बाकु/शराब का सेवन करते हो
- अगर आप अधिक तेल-चरबी वाला भोजन लेते हो
- अगर आपको हाइ ब्लड प्रेशर हो
- अगर आपको डायबिटीस हो

तो आपको कार्डियोग्राम, इकोकार्डियोग्राफी, स्ट्रेस टेस्ट और कुछ रक्त की जांच करवानी आवश्यक है । सीम्स के श्रेष्ठ चिकित्सक टीम द्वारा यह सब टेस्ट आधुनिक साधन के द्वारा किये जाते है ।

CIMS® Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड,
सोला, अहमदाबाद-380060. फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स)
मोबाईल : +91-98250 66664, 98250 66668

सीम्स हेल्थ केयर पेकेजेस

अगर आपको निम्निलिखित में से कोई भी एक लक्षण है तो आपको हेल्थ चेक-अप करवाना जरुरी है... जो की सीम्स अस्पातल में उच्च गुणवत्ता के साथ किये जाते है ।

- 40 वर्ष से ज्यादा उम्र
- ओबेसीटी / मोटापा
- तंबाकु का सेवन / धुम्रपान और शराब का व्यसन
- तनावपूर्ण जीवन
- डायाबिटीस, हाइ ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधित वंशानुगत बीमारी हो तो
- थोडा श्रम करने से थक जाना
- वजन कम होना / बढना
- बहुत लंबे समय से अपच/कब्जियत

आपकी आवश्यकतानुसार

सीम्स अस्पताल के विभिन्न हेल्थकेयर पेकेजेस...

जानकारी एवं अपॉइन्टमेन्ट के लिये

फोन : +91-79-3010 1088

CIMS® Care Institute of Medical Sciences

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at MBC, Navrangpura, Ahmedabad-380009 on the 27th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

बच्चों और नवजात शिशुओं के लिए ईलाज

CIMS Kids

Pediatric
F.O.Bronchoscopy Suite

Care of
Premature
High-risk Babies

HFOV:
High Frequency
Oscilator

जीवन के प्रारंभिक दौर में उच्च स्तरीय संभाल

- इन्टेन्सिव केयर विशेषज्ञ टीमः नवजात शिशुओं की किसी भी प्रकार की गंभीर बिमारी के ईलाज के हेतु।
- नवजात शिशु अथवा बच्चों के संभाल के लिए 17 बेड का अत्याधुनिक आइसीयु।
- नवजात शिशुओं की विशिष्ट संभाल (बबल सीपीएपी, इन्क्युबेटर, कैपीलरी एबीजी प्रोग्राम) ।
- 24 x 7 आपातकालीन सहाय और पीडियाट्रिक वेन्टिलैटर के साथ ट्रान्सपोट।
- एचएफओवी तथा नाइट्रिरक ओक्साइड से सुसंगत अत्याधुनिक वैन्टिलैटर सेटअप।
- गुजरात में सर्व प्रथम पीडियाट्रिक ब्रोन्कोस्कोपी लाउन्जः नवजात शिशुओं के लिए भी।
- बच्चों की प्रत्येक बिमारी की सारवार एक ही स्थान पर।

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-90990 66540,
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770 (मो) +91-98250 66664, 98250 66668
एपोइन्टमेन्ट के लिये ईमेल : opd.rec@cims.me ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षीने सीम्स अस्पताल की और से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।